हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 18 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 31.6 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

11 जनसंवाद की कमी को दूर करना सरकार की मंशा, इसी नीति पर काम कर रहा पुलिस विभाग

12 बरसाती पानी रोकने के लिए बना है बांध, कोर्ट के आदेश पर आज टूटना है, बचाने के लिए ग्रामीणों ने लगाई फरियाद

स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 के मुकाबले शहर 232 पायदान फिसलकर 490 पर पहुंचा

स्वच्छता रैंकिंग ने दिखाया प्रशासन को आईना रिपोर्ट में उजागर हुई स्वच्छता की हकीकत

■ बावल व धारूहेड़ा में भी स्वच्छता रैंक बिगड़ी, इस बार ओडीएफ स्टेटस में भी शहर को मिली शिकस्त

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

शहरी एवं आवास मंत्रालय की ओर से जारी किए गए स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के रिजल्ट में जिले को ओडीएफ स्टेटस और नेशनल रैंकिंग में जोरदार झटका लग गया है। जिले की स्वच्छता रैंकिंग ने प्रशासन को आईना दिखा दिया है। शहर में लंबे समय से बिगड़ रही सफाई व्यवस्था ने शहर को स्वच्छता रैंकिंग में 2023 के स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग से 232 पायदान नीचे गिरा दिया है। स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में जिले को ओडीएफ डबल प्लस मिला था जोकि स्वच्छता सर्वेक्षण-2024-25 में सिर्फ ओडीएफ रह गया है। इसके अलावा रेवाड़ी को स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में राष्ट्रीय स्तर पर 258वां स्थान मिला था, जबकि इस बार जिले की रैंकिंग गिरकर 490 पायदान पर आ पहुंची है। स्टेट में 11वें नंबर पर रहने वाला रेवाड़ी जिला 57 नंबर पर आ गया है। ओडीएफ स्टेटस व राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता रैंकिंग में जिले के पिछड़ने का कारण नगर परिषद के सफाई के उचित प्रबंधन का अभाव, लोगों में जागरूकता की कमी और शहर में डस्टबिन हटने से अनावश्यक कचरा प्वाइंट का बनना है। इसके अलावा डोर-टू-डोर कचरा प्रबंधन का टेंडर लेने वाले ठेकेदार की लापरवाही व समय पर कचरे का निस्तारण करने में लापरवाही बरतना है। बावल व धारूहेड़ा में स्वच्छता रैंकिंग में जिला काफी पिछड़ गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में बावल की 246 रैंकिंग गिरकर 1271 पर आ गई है, जबकि धारूहेड़ा 186 रैंकिंग से फिसलकर 637 पर पहुंच गया है। बावल की स्टेट रैंकिंग 77 व धारूहेड़ा की 44 आई है। ओडीएफ स्टेटस में बावल नगरपालिका को ओडीएफ व धारूहेड़ा को वाटर प्लस मिला है।

रेवाड़ी। राव तुलाराम पार्क स्थित सार्वजनिक शौचालय के पास जमा गंदा पानी, सचिवालय रोड पर लगा गंदगी का ढेर, भाड़ावास रोड पर बनी स्वच्छता पेंटिंग के पास जमा गंदगी।

स्वच्छता रैंकिंग में पिछड़ने के रहे यह कारण

नगर परिषद की ओर से शहर को स्वच्छ बनाने के लिए भी ठोस कदम नहीं उठाए गए। शहर में एक भी जगह डस्टबिन नहीं है। सभी मार्गो पर जगह-जगह अनावश्यक कचरा प्वाइंट बन गए है, जहां हर समय गंदगी फैली रहती है। सफाई कर्मियों की कमी भी शहर की सबसे बड़ी समस्या है। शहर में वर्तमान में करीब 325 सफाई कर्मी है, जबकि आबादी के हिसाब से 600 से अधिक सफाई कर्मियों की जरूरत है। ओडीएफ में पिछड़ने का कारण शहर के सभी सार्वजनिक शौचालयों, यहां तक कि सचिवालय के शौचालयों की भी सफाई न होना है। ठेका देने के बाद भी शहर में घरों से निकलने वाले कूड़े का उचित प्रबंध नहीं किया गया। शहर के 90 फीसदी लोग अब भी अपने घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग नहीं कर रहे हैं। यहां तक की एमआरएफ सेंटर की व्यवस्था भी बिगड़ चुकी है। कचरा डंपिंग यार्ड के बाहर तक कचरा फैला रहता है।

टॉयलेट की वर्तमान की स्थिति

शहर में बने हुए कई सार्वजनिक शौचालयों में वर्तमान में गंदगी का आलम छाया हुआ है। शौचालयों के पास जहां कचरे के ढेर लगे हुए है वहीं गंदा पानी भी जमा हो रहा है। गोकल गेट, सती कॉलोनी, बारा हजारी, नाईवाली चौक व रेलवे रोड स्थित टॉयलेट में सफाई व्यवस्था भी चरमराई हुई है।

इन जिलों को मिली यह स्टेट रैंकिंग

स्वच्छ सिटी में स्टेट लेवल पर करनाल को पहली रैंक मिली है, जबकि सोनीपत ने दूसरी और पानीपत ने तीसरी रैंक हासिल की है। इसके अलावा स्टेट में फतेहाबाद चौथे, रोहतक पांचवे, गोहाना छठें, ग्ररुग्राम सातवें, अंबाला कैंट आठवें, रादौर नौवे और घरौंदा दसवें स्थान पर आया है।

योजना बनाकर किया जाएगा कार्य

नगर परिषद की ओर से शहर को साफ-सुथरा बनाने के लिए प्रयास निरंतर जारी है। आगामी दिनों में योजना बनाकर काम किया जाएगा और शहर की स्वच्छता रैंकिंग को बेहतर किया जाएगा। ओडीएफ की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएंगे।

-सुधीर कुमार, सीएसआई, नगर परिषद।

पिछले वर्षो की स्वच्छता रैंकिंग

वर्ष	रेवाड़ी रैंकिंग	बावल रैंकिंग	धारूहेड़ा रैंकिंग
2017	303	-	-
2018	254	499	541
2019	264	536	716
2020	118	112	141
2021	190	472	123
2022	140	35	16
2023	258	246	186
2024	490	1271	637

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी तरुण।

अवैध हथियार उपलब्ध कराने में आरोपी काबू

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला झज्जर के गांव पाटोदा निवासी तरुण के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 15 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली थी कि अजय निवासी गांव पाटोदा जिला झज्जर के पास अवैध हथियार है तथा वह खेड़ा आलमपुर से पाल्हावास रोड के साइड में किसी के इंतजार में बिना नंबर की स्कॉर्पियो में बैठा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू करके गाड़ी से 1 अवैध देशी पिस्टल बरामद की थी।। पूछताछ में आरोपी अजय ने बताया कि उसे अवैध हथियार गांव पाटोदा निवासी तरुण ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने बुधवार को मामले में संलिप्त आरोपी तरुण को भी गिरफ्तार कर लिया है।

गोरक्षक की प्रथम पुण्यतिथि मनाने को लेकर बैठक 20 को

रेवाड़ी। गोरक्षक देवेंद्र यादव उर्फ सोनू सरपंच फिदेड़ी की 4 अगस्त को प्रथम पुण्यतिथि मनाने को लेकर 20 जुलाई शाम 4:15 बजे शिव मंदिर नई अनाजमंडी में बैठक का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र आशावादी ने बताया कि बैठक में गो रक्षक की प्रथम पुण्यतिथि पर हवन एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करने को लेकर चर्चा की जाएगी तथा गो रक्षक के नाम एक पौधा, भारत माता के अमर शहीदों के नाम एक पौधा व मां के नाम एक पौधा लगाया जाएगा। जिले की गोशालाओं, सार्वजनिक क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों व शैक्षणिक संस्थाओं में पौधा लगाओ अभियान भी चलाया जा रहा है।

यादव सभा का फ्री चिकित्सा कैंप रविवार को

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से 20 जुलाई को सुबह 9 से 11 बजे तक गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। यादव कल्याण सभा प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव ने बताया कि शिविर में डा. एचआर यादव मेडिसिन, डा. अनिल यादव हड्डीरोग, डा. पवन यादव न्यूरोसर्जरी, डा. मनीष यादव ईएनटी व डा. कोमल यादव दंत रोग में ओ पी डी सेवाए प्रदान करेंगे। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव भी फिजियोथेरेपी की फ्री सेवाओ के लिए उपलब्ध रहेंगे।

रेवाड़ी। कांवड़ लाने के लिए हरिद्वार रवाना होते शिव भक्त। फोटो :हरिभूमि

आजाद चौक से शिव भक्तों का जत्था कांवड़ लेने हरिद्वार रवाना

रेवाड़ी। सावन मास में शिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों की हरिद्वार एवं नीलकंठ की यात्रा जारी है। शहर के आनंद नगर व आजाद चौक सहित आसपास के मोहल्ले के करीब 30-35 कांवड़ियों का जत्था आजाद चौक स्थित शिव मंदिर से रवाना हुआ। मंदिर के पुजारी पंडित सुमन भारद्वाज ने विधि-विधान के साथ भगवान की पूजा-अर्चना कराई। वार्ड चार की पार्षद डा. सरिता सैनी व समाजसेवी डा. दिनेश सैनी ने कांवड़ लेने जा रहे यात्रियों के दल को रवाना किया। मंदिर पुजारी पंडित सुमन भारद्वाज ने बताया कि शिव भक्तों की यह 11वीं शिव डाक कांवड़ है। सभी शिव भक्त आगामी 23 जुलाई को आजाद चौक स्थित शिव मंदिर में हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे।

वार्ड की चरमराई सफाई व्यवस्था से परेशान महिलाओं की सड़क पर उतरने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

कस्बे के वार्ड नं. 5 प्राणा वाली मोहल्ला में सफाई व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। अनाजमंडी के पास लगते इस इलाकें में नाले अवरुद्ध पड़े हैं। दूषित पानी सड़कों को फैल रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड की महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द नगर पालिका प्रशासन ने समस्या का समाधान नहीं किया, तो वह सड़क पर उतरने को मजबूर हो जाएंगी। वार्ड की महिला बसंती देवी, कश्मीरी देवी, संतोष, गायत्री, ममता व अनीता आदि ने बताया कि वार्ड की सफाई व्यवस्था कई दिनों से बदहाल बनी हुई है। बारिश का सीजन शुरू होने के बाद दूषित पानी सड़कों पर फैल रहा है। लोगों के लिए मंदिर तक जाने का रास्ता नहीं बचा है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि नपा के जनप्रतिनिधि भी वोट बंटोरने के बाद लोगों की समस्या जानने के लिए उनके बीच आने से बच रहे हैं। पूरे मोहल्ले में वातारण दूषित बना हुआ है, जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। बार-बार हो रही बरसात से गंदा पानी वातावरण बिगाड़ रहा है। इससे मोहल्ले में मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारियां फैलने की आशंका भी पैदा हो गई है।

रेवाड़ी। बावल के प्राणा वाली मोहल्ले में जमा पानी व एकत्रित महिलाएं, मोहल्ले में ओवरफ्लो सीवर से निकलता गंदा पानी।

सड़क जाम करने की चेतावनी

वीरवार को कई महिलाओं ने एकत्रित होकर नपा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं ने आरोप लगाया कि नालियां और नाले समय पर साफ नहीं होने के कारण दूषित पानी का भराव उनके लिए आफत बन चुका है, परंतु नपा के अधिकारियों को उनकी समस्या से कोई सरोकार नहीं है। अगर जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वह सड़क जाम करने को मजबूर हो जाएंगी।

सीईटी के प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आगामी 26 व 27 जुलाई को जिले में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली सीईटी परीक्षा के प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को लेकर जिला खजाना अधिकारी को पूरी तरह से अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। सीईटी प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए पूरी सावधान बरती जाए। जिला प्रशासन जिला में सीईटी का पूर्ण पारदर्शी और शांतिप्रिय ढंग से संचालन कराने के लिए कृत संकल्पित है, जिसके लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के मामले में किसी भी स्तर पर कोई कोताही और लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

रेवाड़ी। खजाना अधिकारी को निर्देश देते हुए डीसी मीणा।

रेवाड़ी। राजकीय स्कूल फिदेड़ी में पौधरोपण करते हुए। फोटो :हरिभूमि

पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

रेवाड़ी। राजकीय मिडिल विद्यालय फिदेड़ी में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के वित्त अधिकारी अनिल कुमार मुख्य अतिथि थे। स्कूल के प्रिंसिपल अभय सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। इस मौके पर पौधरोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया। मुख्यातिथि ने कहा कि पौधों का पर्यावरण से सीधा कनेक्शन है एवं पेड़ पौधों के द्वारा ही हमें विभिन्न प्रकार की औषधियां प्राप्त होती हैं। आठवीं क्लास के छात्र दक्ष, दीपांशु चिराग और समीर ने पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी ली। छठी क्लास से पूर्व, विहान, योगेश, बादल, मनीष छात्रों ने बढ़-चढ़कर पौधरोपण में हिस्सा लिया। इस अवसर पर आईजीयू गणित विभाग की तरफ से डा. महावीर बड़क तथा विनोद कुमार सहित स्कूल के शिक्षक दिनेश कांत शर्मा, जय सिंह, नीरज कुमार, पूनम व पिंकी मौजूद थे।

कोसली में बस स्टैंड का पुनर्निर्माण करवाने की उठी मांग, सीएम को भेजा पत्र

कोसली। कोसली की सामाजिक संस्था दक्षिण हरियाणा विकास लोक मंच ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर हरियाणा रोडवेज के कोसली सब डिपो के भवन का पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग की है। संस्था के प्रधान दुलीचंद यादव ने बताया कि हरियाणा सरकार ने कोसली बस अड्डे को उप डिपो बनाने की घोषणा की हुई है। यहां वर्कशाप व अन्य कार्यालयों के लिए भवन भी बन कर तैयार हो चुका है। अड्डे के जर्जर भवन को हटा कर जगह साफ कर दी गई है। अब बसों के लिए बूथ व अड्डे के लिए भवन के निर्माण की आवश्यकता है, जिससे यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

SURAJ DEGREE COLLEGE
Bucholi Road, MAHENDERGARH
REQUIRES
Admin Department — Dean, Vice Principal, Academic Head, HOD's
Science Department — Assoc. / Asst. Prof. Computer Science, Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany,
Humanities & Commerce Department — Assoc. / Asst. Prof. Yoga, English, Hindi, Commerce History, Geography, Political Science
Support Staff — Lab Assistant for Physics, Chemistry, Zoology, Botany, Computer, Receptionist, Electrician, Discipline Incharge, Computer Operator, Sports Incharge.
Walk in Interview
Come with resume, a set of photocopy of academic records and recent PP size photographs at College Campus
Sunday, 20th July, 2025
(TIME : 10:00 am to 2:00 pm)
Call : 9991530053, 8607555793 email : info@surajeducation.com

मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा

अजय नगर में सीवर ओवरफ्लो से स्थिति बदहाल

■ समस्या को लेकर पार्षद को अवगत कराया गया, लेकिन समाधान नहीं हो रहा

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

शहर की अजय नगर कॉलोनी की गलियों की बदहाल स्थिति बनी हुई है। बरसात के चलते सीवर ओवरफ्लो होने से गलियों में भरे गंदे पानी ने लोगों का जीवन नारकीय बना दिया है। वार्ड में दुर्गंध और गंदगी के आलम से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। लोगों का कहना है कि समस्या को लेकर पार्षद को अवगत कराया गया, लेकिन समाधान नहीं हो रहा है। वार्डवासी आशा श्रीवास्तव, रामा, पुष्पा देवी, कृष्णा, सरोज, आशा शर्मा, निर्मला देवी, विनीता कुमारी, अजीत नीलम, सोनू भानु, सतवीर, अजीत, फतेह सिंह, सतपाल सिंह, सतबीर कौर हिंदू, नीलम कुमारी, निर्मला देवी, माना देवी, कुसुमलता, पुष्पा देवी, जगदीश चंद, विजय सिंह, जीतू, रेनू व पवन कुमार ने कहा कि गलियों में जमा गंदे पानी से उठती दुर्गंध के कारण जीना दुर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे विरोध-प्रदर्शन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। नागरिकों ने जिला प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग की है।

रेवाड़ी। अजय नगर की गली में जमा गंदा पानी दिखाते वार्डवासी, अजय नगर में हो रहा सीवर ओवरफ्लो। फोटो :हरिभूमि

स्पेशल : नेशनल मैंगो-डे, 22 जुलाई

मजेदार किस्सों से भरे मीठे-रसीले आम

आम का नाम सुनते ही इन्हें खाने के लिए मन ललचा जाता है। ललचाए भी क्यों ना, यह खाने में मीठे, रसीले के साथ खट्टे-चटपटे भी होते हैं। तरह-तरह के आमों के पीछे मजेदार किस्से छुपे हैं, एक रोचक इतिहास है। बच्चो, आमों से जुड़ी तुम्हारे लिए बहुत ही रोचक जानकारी।

रोचक

देवेंद्र मेवाड़ी

नन्हे दोस्तो, तुम्हें मीठे-मीठे रसीले आम खाने में खूब मजा आता होगा। आज हम तुम्हें आम से जुड़ी कई कहानियां और इतिहास बताते हैं।

कहां हुआ आम का जन्म

आम का जन्म वहीं हुआ, जहां हमारा जन्म हुआ! मतलब आम और हमारी जन्मभूमि भारत ही है। वैज्ञानिक कहते हैं कि हमारे देश में आम का जन्म हजारों वर्ष पहले इसके पूर्वी भाग में हुआ। भारत के साथ-साथ बर्मा मतलब म्यांमार में भी आम का जन्म हुआ। भारत में कम से कम 5,000 साल से आम उगाया जा रहा है।

इतिहास के झरोखे में आम

सिकंदर जब भारत पर आक्रमण करने के लिए आया तो उसने सिंधु घाटी में पहली बार आम के पेड़ देखे। चीनी बौद्ध यात्री ह्वेनसांग ने भी भारत में आम के पेड़ देखे। वह अपने साथ आम को चीन ले गया। प्रसिद्ध विदेशी यात्री इब्न-बतूता ने तो लिखा है कि भारत के लोग आम के फलों को चूसते हैं या काट कर खाते हैं और कच्चे आम का अचार डालते हैं। मुगल बादशाहों ने भी आम की बड़ी तारीफ की है। बाबर ने इसे हिंदुस्तान का सबसे उम्दा फल बताया। अकबर ने बिहार में दरभंगा के लालबाग में आम के एक लाख पेड़ों का बाग लगवाया। पुर्तगाली जब भारत आए तो उन्होंने केरल में पहली बार आम देखा। वहां लोग मलयालम भाषा में इसे मामपलम कहते थे। पुर्तगाली इस फल को मांगो कहने लगे। बाद में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने इस मांगो को मैंगो कहना शुरू कर दिया।

किस्म-किस्म के आम

दोस्तो, भारत से आम दुनिया भर में फैला। फिर भी आज दुनिया में इसकी सबसे अधिक बागवानी हमारे देश में ही की जाती है। इसकी एक-दो नहीं बल्कि सैकड़ों किस्में हैं। इतनी कि अगर आम के नाम बताने लगें तो ना जाने कितने पन्ने भर जाएंगे। तो जानो आमों की अनगिनत वैरायटीज में से कुछ के नाम- दशहरी, चौसा, लंगड़ा, सफेदा, बंबइया, बंगलौरा, गुलाब खास, जर्दालू, फजली, समर बहिश्त चौसा, नीलम, सुवर्ण रेखा, बंगनपल्ली, पैरी, मुलगोवा, मल्लिका, अल्फांसो, आम्रपाली आदि। यानी देश के हर कोने में हर किसी के लिए आम की कोई न कोई किस्म जरूर है।

आमों के किस्से

दोस्तो, किस्म-किस्म के आमों के किस्से भी बहुत मजेदार हैं। 'लंगड़ा' को ही ले लो। भला, लंगड़ा किस लिए? इसलिए कि इस किस्म के आम का पहला पेड़ बनारस में एक लंगड़े फकीर बाबा के घर के पिछवाड़े में उगा था! वहीं से चारों ओर फैला। और, स्वादिष्ट दशहरी, यह लखनऊ के पास मलीहाबाद के दशहरी गांव में पैदा हुआ। इसका स्वाद इतना अच्छा था कि आम लोगों ने तो इसे मुंह लगाया ही, लखनऊ के नवाबों और वजीरों ने भी इसे खूब पसंद किया। मलीहाबाद तहसील के ही चौसा गांव में लोगों ने जब पहली बार एक अलग स्वाद और सुगंध वाला आम चखा तो उसका नाम 'समरबहिश्त चौसा' रख दिया। और फजली, फजली क्यों कहलाया? इस बारे में कहते हैं, बिहार के भागलपुर में एक औरत थी, फजली। पहली बार उसी के आंगन में फला-फूला था यह आम। इसे पालने-पोसने वाली फजली के नाम पर यह फजली कहलाया। भागलपुर से यह पूरे बिहार में ही नहीं, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब तक फैल गया। अब सुनो कलमी आम की कहानी। कलम लगाने की कला ने किस्म-किस्म के आम पैदा करने में हमारी बड़ी मदद की है। यों तो मुगल बादशाहों के जमाने में आम की खूब कलमें बांधी गईं, लेकिन आज कलम लगा कर आम की एक से एक बढ़िया किस्म तैयार की जा रही है। इस कला में भी मलीहाबाद के लखनऊ के हाजी कलीम उल्ला खान साहब ने तो कमाल ही कर दिखाया है। वे कलम लगा कर आम के एक ही पेड़ में 300 से भी अधिक किस्मों के आम पैदा कर चुके हैं।

हाजी कलीम उल्ला खान साहब

दोस्तो, विदेशी लोग यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि हम खट्टे-मीठे आमों का किस-किस तरह से स्वाद ले लेते हैं। कच्चे आम की चटनी और अचार बना लेते हैं। पके हुए देशी आम को मजे से चूस लेते हैं और कलमी आम को सफाई से काट कर सलीके से खाते हैं। लू की लपटों से बचने के लिए आम का 'पना' बना लेते हैं तो पके फलों को दूध में घोट कर मैंगो शेक तैयार करते हैं। आम के रस और गूदे से अमावट यानी आम-पापड़, अंबापोली और आम-पट्टी बना लेते हैं। आम का स्क्वैश, जैम, जैली और मुरब्बा भी बना लेते हैं।

नन्हे प्यारे दोस्तो, एक बात जरूर याद रखना, आम बहुत पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और कई खनिज पाए जाते हैं। इसलिए दोस्तो, आम के गुण गाए जाओ और खूब आम खाए जाओ। *

दुनिया का सबसे मीठा-कीमती आम

दोस्तो, मीठे आम तो हम सभी को पसंद हैं, लेकिन जानते हो, दुनिया में सबसे अधिक मीठा आम कौन-सा है और कहां पैदा होता है? दुनिया का सबसे मीठा आम है काराबाओ मैंगो, जो फिलीपींस में पैदा होता है। इसे मनीला मैंगो भी कहते हैं। यह आम खूब मीठा होता है, इसमें रेशा नहीं होता। हमारे देश में अल्फांसो हापुस सबसे स्वादिष्ट आम माना जाता है। बाजार में सबसे कीमती आम भी यही है। लेकिन, दुनिया का सबसे कीमती आम है जापान का मियाजाकी आम। एक किलो मियाजाकी आम की कीमत है करीब तीन लाख रुपए।

काराबाओ मैंगो

मियाजाकी मैंगो

स्पेशल : इंटरनेशनल आइसक्रीम-डे, 20 जुलाई

टिन्नी की बुरी आदत थी कि वह अपने भाई पीयूष के साथ कोई चीज शेयर नहीं करती थी, जबकि भाई उसका बहुत ख्याल रखता था। एक दिन कुछ ऐसा हुआ कि टिन्नी ने अपनी वह बुरी आदत स्वयं ही छोड़ दी।

आइसक्रीम ने सिखाया सबक

छोटी कहानी

अलका 'सोनी'

टिन्नी और पीयूष भाई-बहन हैं। टिन्नी की एक बुरी आदत है, वो कोई भी चीज अपने भाई के साथ शेयर नहीं करती है। लेकिन पीयूष कुछ नहीं कहता। उसे जब भी कोई चीज मिलती है तो अपनी छोटी बहन के साथ जरूर शेयर करता है।

वीकेंड आने वाला था। संडे को पापा के साथ कहीं विजिट करने जाना है, इसकी प्लानिंग दोनों भाई-बहन कर रहे थे। टिन्नी बोली, 'क्यों न इस बार मॉल चलें। आइसक्रीम-डे भी आने वाला है। हम वहां बढ़िया से बढ़िया आइसक्रीम खाएंगे।'

आइसक्रीम-डे को लेकर पीयूष और टिन्नी दोनों बहुत खुश थे। दोनों ने सोच रखा था कि आइसक्रीम के कम से कम दो-दो फ्लेवर तो खाएंगे ही। संडे आ गया। दिन भर बहुत गर्मी रही। शाम होने पर पीयूष-टिन्नी, पापा के साथ मॉल गए। वहां आइसक्रीम कॉर्नर पर ढेरों फ्लेवर की आइसक्रीम सजी थीं। कुछ दूर पर टर्किश आइसक्रीम वाला भी था। पीयूष टर्किश आइसक्रीम वाले के पास आ गया, उससे बातें कीं और फिर आइसक्रीम खाई। उसने साथ खड़ी टिन्नी को भी खिलाई। टिन्नी को टूटी-फ्रूटी आइसक्रीम चाहिए थी। वो पापा के साथ उसे लेने चली गई। वापस आने पर पीयूष ने टिन्नी से अपनी आइसक्रीम टेस्ट कराने को कहा तो उसने हमेशा की तरह मना कर दिया। पापा ने पीयूष को भी टूटी-फ्रूटी आइसक्रीम दिलवा दी। पीयूष और टिन्नी आइसक्रीम खाते-खाते मॉल से बाहर निकल आए। पापा दोनों को एक किनारे खड़ा कर अपनी कार पार्किंग से निकालने चले गए। तभी बात करते-करते आइसक्रीम टिन्नी की हाथों से छूटकर जमीन पर गिर गई। आइसक्रीम गिरने से टिन्नी रोने लगी। पीयूष उसे उदास देखकर उसके करीब आया और बोला, 'टिन्नी, तुम मेरी आइसक्रीम ले लो, मैं तो वैसे भी एक आइसक्रीम खा चुका हूं। ज्यादा खाऊंगा तो नुकसान पहुंचाएगी।'

इस बात पर टिन्नी चौंकी और बोली, 'तुम मुझसे अपनी आइसक्रीम शेयर करोगे? मैं तो कभी कोई चीज तुमसे शेयर नहीं करती।'

'तो क्या हुआ, तुम मेरी छोटी बहन हो। हमें एक-दूसरे से अपनी चीजें शेयर करनी चाहिए। अब इसे खा लो जल्दी से, नहीं तो यह भी गल कर गिर जाएगी।' यह कहकर पीयूष हंस पड़ा।

टिन्नी ने प्यार से अपने पीयूष भइया को गले लगा लिया। उसने मन ही मन अपने-आप से प्रॉमिस कर लिया था कि वह भी अपने भइया के साथ हर चीज शेयर करके खाया करेगी। *

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

आम रसीला

आओ मोहन आओ लीला
आओ खाएं आम रसीला।
लगे सभी को मीठा प्यारा
फल का राजा आम रसीला।
लाल-लाल कुछ पीला-पीला,
बहुत निराला आम रसीला।
सीढ़ी लेकर दौड़ा राजू,
पीछे दौड़ा राम छबीला।
हंसी खुशी सब चढ़े सीढ़ियां
लगे तोड़ने आम रसीला।
हंसकर बोला राम छबीला
सब मिल खाएं आम रसीला।।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

अलग-अलग रंगों की कविताएं

बच्चो, तुम्हें कविताएं बहुत पसंद आती हैं। कुछ बच्चे तो इन्हें गाते-गुनगुनाते भी हैं। तुम्हारे लिए ऐसी ही कविताओं का एक नया संग्रह आया है, जिसे निरंकारदेव सेवक ने लिखा है। इसमें छोटी-बड़ी प्यारी-प्यारी 63 कविताएं संकलित हैं। कुछ छोटी तो इतनी छोटी हैं कि बस चार पंक्तियों में सिमटी हुई हैं, वहीं बड़ी कविताएं किताब के दो पृष्ठों तक में फैली हैं। संग्रह की इन सब कविताओं के अपने अलग और निराले रंग हैं। कहीं तो ये नन्हे बच्चों से बातें करती हैं तो कहीं एक भरा-पूरा किस्सा सुना देती हैं। कुछ कविताओं में तो सीख-भरी बातें भी पिरो दी गई हैं। संग्रह के शुरू में इसके संपादक की लिखी एक भूमिका भी है, जो इन कविताओं के लेखक और इनकी कविताओं के बारे में बहुत सी बातें बताती है। विशेष बात यह है कि इस किताब की कविताओं के साथ मोहक चित्र भी छपे हैं। *

किताब : बच्चों की रेल (बाल कविता संग्रह), **लेखक** : निरंकारदेव सेवक, **चयन-संपादन** : प्रकाश मनु, **मूल्य** : 100 रुपए, **प्रकाशक** : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

जीके क्विज-162

1. अंतरिक्ष में जाने वाले भारत के पहले एस्ट्रोनॉट कौन थे?
2. एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला के साथ किन-किन देशों के एस्ट्रोनॉट्स इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) गए थे?
3. सबसे पहले किस विदेशी नागरिक को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था?
4. 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' किसकी आत्मकथा है?
5. उड़ने वाले एक मात्र स्तनधारी जंतु का क्या नाम है?
6. मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय कौन थीं?
7. नोवाक जोकोविच किस खेल के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं?
8. एचसीएल किस एसिड का रासायनिक सूत्र है?
9. महात्मा बुद्ध को किस स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी?
10. चंडीगढ़ किन दो राज्यों की संयुक्त राजधानी है?

बच्चो, जीके क्विज-162 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-161 का उत्तर : 1.आस्था पूनिया, 2. दिव्यांशी भौमिक, 3.पराग जैन, 4.1757 ईस्वी, 5.ब्यूनस आयर्स, 6.फुटबॉल, 7. स्फिग्मोमैनोमीटर, 8. जापानी येन, 9.थॉमस एडिसन, 10.सात

जीके क्विज-161 का सही उत्तर देने वाले : चंचल-गरियाबंद, सौरभ-बिलासपुर, सौम्या-जांजगीर, कबीर-हिसार, स्वप्निल-जांजगीर, रानू-राजनांदगांव, ओंकार-धमतरी, शुभम-भोपाल, श्वेता-रायपुर, जीतू-दुर्ग

कहानी

विजय सिंह चौहान

बारिश का मौसम हो, रिमझिम फुहारें पड़ रही हों और बच्चों को मस्ती ना सूझे, यह कैसे हो सकता है! सिया, रवि, अर्जुन और पीहू को भी बारिश में मस्ती सूझी। बच्चों ने खेल-खेल में बारिश का मजा ऐसे लूटा कि उन्हें समझ में आ गया कि जो मजा एकसाथ खेलने में है, वह मोबाइल पर वीडियो गेम खेलने में नहीं है।

बारिश का मजा

बारिश शुरू हो गई!' सिया खिड़की से बाहर झांकते हुए खुशी से चिल्लाई। रवि, अर्जुन और पीहू भी भागे-भागे खिड़की पर आ गए। काले बादल गरज रहे थे। बारिश की फुहारें धरती को भिगो रही थीं। ठंडी हवा बह रही थी। सिया-रवि के कजिंस अर्जुन-पीहू भी घर के ऊपर वाले फ्लोर पर साथ ही रहते हैं। आज संडे था। बारिश ने मौसम सुहाना होने से बच्चे पूरी तरह मस्ती के मूड में हो गए।

'चलो बाहर चलते हैं!' रवि चहकते हुए बोला।

'बारिश में भीगने...?' पीहू ने आंखें फैलाते हुए पूछा। 'हां! और कागज की नाव भी बनाएंगे, पानी में बहाएंगे!' अर्जुन ने उछल कर कहा।

चारों भाई-बहन भागे-भागे पुराने रजिस्टर निकाल लाए। पन्ने फाड़े गए। देखते-देखते कई सुंदर नावें बन गईं।

'मेरी नाव सबसे लंबी है!' रवि ने हाथ ऊपर उठाकर अपनी नाव हवा में घुमाई।

'पर मेरी सबसे सुंदर है!' पीहू ने उस पर बनाई गुलाबी तितली दिखाते हुए कहा।

'चलो! बाहर इन्हें पानी में बहाते हैं!' सिया ने कहा और सब बाहर की ओर दौड़ पड़े।

बाहर बारिश का पानी बह रहा था। एक-एक कर सबने अपनी नावें पानी में छोड़ दीं।

नावें डगमगाईं, दो उलट गईं, दो बहती चली गईं।

'अर्जुन! तेरी नाव तो उलट गई!' रवि बोला।

'कोई बात नहीं, अगली बार मजबूत बनाऊंगा!' अर्जुन बोला। बारिश तेज हो गई थी। बच्चों के चेहरों पर खुशी बढ़ती जा रही थी।

'चलो नावों की रेस करते हैं, नई नावें बनाते हैं।' सिया बोली।

'जिसकी नाव सबसे दूर जाएगी, वही विजेता!' पीहू ताली बजाते हुए बोली।

नावें फिर से बनाई गईं, बहते पानी में छोड़ी गईं। रवि की नाव आगे निकली, फिर अचानक किसी ईंट से टकरा कर रुक गई। उधर पीहू की नाव सबसे दूर पहुंच गई।

'मैं जीत गई!' पीहू उछल पड़ी।

'अगली बार मैं हवाई जहाज बनाऊंगा, उसे उड़ाएंगे!' अर्जुन ने कहा।

'नहीं, अगली बार हम सब मिलकर एक बड़ी नाव बनाएंगे!' रवि बोला, 'और उसमें झंडा भी लगाएंगे!'

सभी बच्चों ने हामी भरी और ठहाका मार कर हंस पड़े। तभी बिजली कड़की, एक पल के लिए बच्चे डर गए। लेकिन डर भी मजेदार था, क्योंकि सब साथ थे।

बारिश में सब भीग चुके थे। कपड़े गीले हो गए थे, लेकिन बच्चे बहुत खुश थे। आज किसी को मोबाइल की याद नहीं आई, ना ही वीडियो गेम की। आज सिर्फ बारिश थी, कागज की नावें थीं, सबकी खिलखिलाती हंसी थी। काफी देर तक सभी बारिश की मस्ती में डूबे रहे। जब थक गए तो चारों बच्चे घर के भीतर लौट आए। तौलिए से देह पोंछी, अपने भीगे कपड़े बदले। सिया की मम्मी ने सबको गर्म दूध पीने को दिया। इसके बाद चारों बच्चे बिस्तर पर चादर ओढ़कर लेट गए। देर तक पानी में भीगने से सबको जाड़ा लग रहा था।

'आज मजा आ गया..!' रवि बोला।

'हम रोज साथ खेलेंगे, चाहे बारिश हो या न हो, एक साथ खेलना कितना अच्छा लगता है!' पीहू बोली।

'हां बहुत अच्छा लगता है, मोबाइल से ज्यादा मजा तो सबके साथ असली खेल खेलने में आता है!' सिया चहकते हुए बोली। इस पर सभी बच्चों ने भी सिर हिलाकर हामी भरी। *

कविता

सतीश मिश्र

बारिश की छम-छम

रिमझिम बारिश की छम-छम,
बिजली चमक रही चम-चम।
छप-छप-छैया पानी में,
खेल रहे हैं सब मिल हम।
कोई तैराता नैया
कागज की सरपट भैया।
कोई अपने आंगन में,
नाच रहा ता-ता थैया।
अंजुरी में पानी भरकर
गीली मिट्टी से रचकर
कुछ बच्चे दरवाजे पर,
बना रहे हैं अपना घर।
उस घर की छत पर छानी,
क्या मजाल टपके पानी।
जिसमें गुड्डा बैठाया,
और साथ गुड़िया रानी।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पपी हाउस के बाहर बैठे एक क्यूट पपी के दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम फटाफट तीन मिनट में ये पांचों अंतर ढूंढकर बताओ।

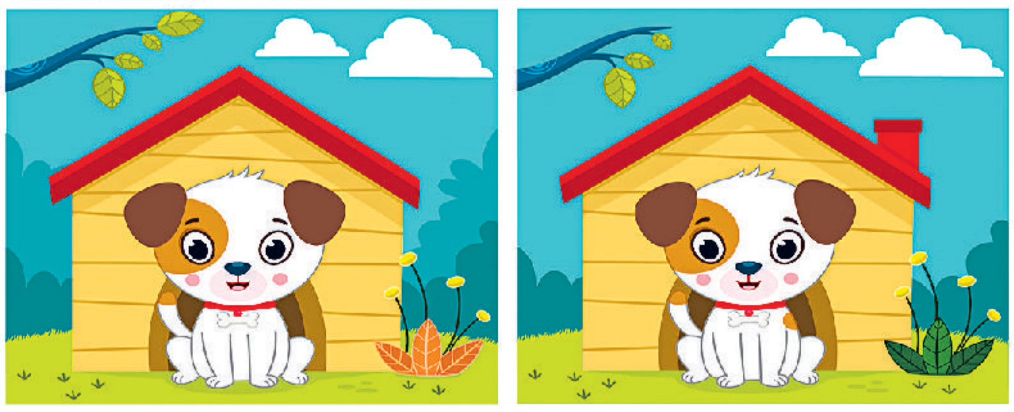

उत्तर : 1.पीछे बाईं तरफ पेड़ की डाली में एक पत्ती कम दिख रही है। 2.पपी हाउस के पीछे बाईं और दाईं दोनों तरफ अलग बैकग्राउंड दिख रहा है। 3.पपी हाउस में दाईं तरफ चिमनी दिख रही है। 4.आगे दाईं तरफ फूल के पौधे की पत्तियों का कलर डिफरेंट है। 5.पपी की गर्दन के नीचे दाईं तरफ एक स्पॉट दिख रहा है।

परछाई पहचानो

बच्चो, यहां बाईं तरफ एक आदमी और डॉगी का चित्र दिया गया है। चित्र के दाईं तरफ कुछ परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ, दिए गए चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

उत्तर : f

खबर संक्षेप

नाबालिग की अश्लील फोटो अपलोड करने पर केस दर्ज

कोसली । क्षेत्र के गांव की एक महिला ने कुछ लोगों पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी करने और एडिट कर अश्लील फोटो अपलोड करने के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। 35 वर्षीय महिला ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। पति जिले से बाहर काम करते हैं। महिला ने एक्स पर अकाउंट चलाने वाले एक युवक प्रशांत यादव पर उनके पति के फेसबुक अकाउंट से उनकी व उनकी बेटी की फोटो चुराकर अश्लील रूप में एडिट कर सोशल मीडिया में प्रचारित करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर किया केस दर्ज।

बिजली निगम कार्यालय में स्टाफ ने लगाई त्रिवेणी

कोसली। पाल्हावास गांव स्थित बिजली निगम कार्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर जयप्रकाश प्रधान, सेवानिवृत्त जेई बीरेंद्र सिंह, विनोद कुमार प्रधान, यशपाल, नितिन, चंद्रजीत, हंसराज, मनचंदा, मीनू व राजेंद्र ने पीपल, बड़ व नीम की त्रिवेणी लगाई। जयप्रकाश प्रधान ने बिजली कर्मचारियों से निरंतर पौधारोपण करने तथा उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष जीवन के लिए आवश्यक है। वृक्ष वातावरण को शुद्ध करते हैं व सभी जीवों को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोसली । भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित रीजनल सेंटर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रीजनल सेंटर के निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि मातृत्व के भाव से प्रेरित होकर इस अभियान में पेड़ को मां के समान माना गया है और लोगों से अपील की गई है कि वे एक पेड़ लगाकर अपनी मां को समर्पित करें। इस अवसर पर रविन्द्र आशावादी ने कहा कि पौधों को मां के नाम, भारत माता के अमर शहीदों को समर्पित करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद अमित यादव ने कहा कि पौधों से पर्यावरण शुद्ध होता है, शुद्ध वायु मिलती हैं।

एसपी ने कई ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका मौके पर ही समाधान किया

जनसंवाद की कमी को दूर करना सरकार की मंशा, इसी नीति पर काम कर रहा पुलिस विभाग, पीड़ितों को मिल रहा सुलभ न्यायः एसपी

एसपी ने बावल पुलिस थाने में सुनी लोगों की समस्याएं, अपराध रोकने के लिए मांगा आमजन का सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

रेवाड़ी। बावल पुलिस थाने में आमजन की समस्याएं सुनते एसपी हेमेंद्र मीणा।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास प्रशासन और पब्लिक के बीच संवाद की कमी को दूर करने व जनसमस्याओं का तत्परता से समाधान करने का है। सरकार की इसी नीति की पालना करते हुए पुलिस विभाग लगातार आमजन की समस्याएं सुनकर उनका तुरंत समाधान करने की दिशा में कार्य कर रहा है। मीणा वीरवार को बावल पुलिस थाने में आमजन की समस्याएं सुनते हुए उन्हें संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर बड़ी संख्या में इलाके के प्रबुद्ध लोग मौजूद थे। ग्रीमीणों की समस्याएं सुनते हुए एसपी ने कई मामलों में नए सिरे से जांच करने के आदेश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी ने कहा कि प्रदेश सरकार और सीएम नायब सिंह का प्रयास है कि जनता और प्रशासन के बीच की खाई को पाटने का प्रयास किया जाए। सीएम के आदेशों की पालना करते हुए प्रशासन और पुलिस इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी में वह बावल क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनने के लिए वह पुलिस थाने में लोगों के बीच पहुंचे हैं। प्रशासन और आमजन के बीच संवाद की कमी अभी भी बरकरार है। इसी कमी को पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारी लगातार लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनते हैं। इन समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराने के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आमजन का सहयोग जरूरी है। जनता के सहयोग से ही क्राइम को कंट्रोल किया जा सकता है। पुलिस विभाग लगातार आमजन को अपने साथ जोड़ने और लोगों का विश्वास हासिल करने की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि लोगों का सहयोग पुलिस के लिए अपराधियों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित होता है, इसलिए लोगों को अपने आसपास होने वाली आपराधिक घटनाओं के बारे में पुलिस को तुरंत सूचना देनी चाहिए। सूचना मिलने के बाद पुलिस के लिए अपराधियों को काबू करना आसान हो जाता है। इस मौके पर डीएसपी सुरेंद्र श्योराण व बावल थाना एसएचओ संजय कुमार भी मौजूद थे। एसपी ने कई ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका मौके पर ही समाधान किया। जिन मामलों में नए सिरे से जांच की जरूरत थी, उन मामलों में जांच कराने के आदेश दिए गए।

सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था हो मजबूत

इस मौके पर एसपी ने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने में सीसीटीवी कैमरों की बड़ी भूमिका सामने आ रही है। कैमरे लगाने से दोहरा फायदा मिलता है। एक तो इससे अपराधियों को कैमरे की निगरानी में होने का डर रहता है और दूसरे अपराध होने के बाद कैमरों की मदद से अपराधियों को काबू करना आसान हो जाता है। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से अपील की कि वह कस्बे से लेकर गांवों तक में अधिक से अधिक अच्छी सीसीटीवी कैमरे लगवाने का प्रयास करें। सीसीटीवी कैमरे किसी भी वारदात को डिटेक्ट करने में पूरी मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक कैमरे लगवाने की अपील की गई है।

चुनिंदा कैटेगिरी में ही किए जा रहे चालान

एसपी मीणा ने स्पष्ट किया कि पुलिस ने चालान करने के लिए अभियान तो चलाया हुआ है, परंतु इसका मकसद आमजन को परेशान करना नहीं है। चालान के नाम पर राजस्व अर्जित करना पुलिस का मकसद नहीं है। इसके लिए खास कैटेगिरी को ही शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनमें ब्लैक फिल्म, बिना हाई सिक्योरिटी की नंबर प्लेट, बिना नंबर प्लेट व गलत लेन में गाड़ी चलाने वाले वाहनों के ही चालान किए जा रहे हैं। पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह महिला, बच्चे व बुजुर्ग जिन वाहनों में होते हैं, उन्हें बेवजह परेशान नहीं किया जाए। हेलमेट व सीट बेल्ट जैसे चालान नहीं करने को कहा गया है।

नशे पर अंकुश लगाने को टीम गठित

एसपी ने कहा कि पुलिस विभाग ने सरकार के नशा मुक्त अभियान को प्रभावी तरीके से लागू कराने के लिए जिला स्तर पर एक टीम गठित की हुई है। यह टीम गांवों में जाकर लोगों और महिलाओं से नशा करने और बेचने वाले लोगों की जानकारी ले रही है। नशे की दलदल में फंसे लोगों को निकालने के लिए पुलिस की ओर से व्यवस्था की जा रही है। नशा बेचने वाले लोगों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वह नशा बेचने वाले लोगों के बारे में पुलिस को तुरंत सूचना दें। सूचना देने वालों का नाम व पता पूरी तरह गुप्त रखा जाता है।

पेट्रोल पंप संचालकों को भी दिए निर्देश

बाद में एसपी ने पेट्रोल पंप संचालकों व ईंट भट्टा संचालकों से भी खुलकर संवाद किया। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप संचालक पंपों पर सीसीटीवी कैमरों के पुख्ता प्रबंध रखें। जहां तक संभव हो, पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा गार्ड तैनात करें। भट्टा संचालकों से बातचीत में एसपी ने कहा कि भट्टों पर काम करने वाले श्रमिक नशे का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में वह पता चलने के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

साइबर अपराधियों से सावधान रहें लोग

उन्होंने कहा कि लोग साइबर अपराधों से स्वयं को दूर रखें व सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से फ्रैंड व फॉलो रिक्वेस्ट असेप्ट ना करें। सोशल मीडिया पर दिए जाने वाले लालच के चक्कर में नहीं फंसे। अपनी गोपनीय जानकारी किसी को नहीं दें। किसी भी साइबर अपराध के घटित होने की सूरत में तुरंत प्रभाव से हेल्पलाईन नं0 1930 पर काल करें या पुलिस की साइबर क्राइम की वेबसाइट पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। इस नंबर पर कॉल करने से ठगी का पैसा बचने की पूरी संभावना रहती है।

एबीवीपी ने आईजीयू में लगाई हेल्प डेस्क

- कुलसचिव को छात्र हितों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कुलसचिव को ज्ञापन सौंपते हुए एबीवीपी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई की ओर से नवागंतुक छात्रों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क लगाई गई। हेल्प डेस्क के माध्यम से छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, दस्तावेज सत्यापन, छात्रवृत्ति आवेदन और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव को एक 11 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा, जिसमें छात्र हितों से जुड़ी अनेक मूलभूत और आवश्यक समस्याओं का उल्लेख किया गया। एबीवीपी इकाई ने विवि प्रशासन से विश्वविद्यालय होस्टल और क्लासेज को एक साथ ओपन करने, विश्वविद्यालय के अंदर बने मेन रोड को चौड़ा करने, विद्यार्थियों के लिए होम एक्टिविटी सेंटर ओपन करने और विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अपडेट एवं उपयोग के अनुकूल बनाने की मांग की। एबीवीपी विवि इकाई अध्यक्ष विनित कुमार, इकाई मंत्री हेमंत गोयल व इकाई छात्रा प्रमुख अनिशअहित अनेक कार्यकर्ताओं ने कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की। अभाविप के रेवाड़ी विभाग संयोजक युधिष्ठर धनखड़ ने बताया कि हेल्प डेस्क की पहल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्रणाली से जुड़ने में सहजता प्रदान की। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री परमिंदर सैनी, आयशा, मनीषा, विकास, सात्विक, जयवीर, अजय व निखिल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

विशेष लाभ के लिए धन्यवाद

डीएससी समाज ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ज्ञापन सौंपते हुए डीएससी समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

डीएससी समाज के प्रतिनिधियों ने सरकार की ओर से अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण के तहत प्रदान किए गए विशेष लाभ के लिए सरकार का धन्यवाद किया है। समाज के लोगों ने सरकार की इस पहल की सराहना की, जिसमे सामाजिक न्याय की दिशा में एक सशक्त कदम उठाया गया है। डीएससी समाज के लोगों ने वीरवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम पीपीपी के स्टेट कोऑर्डिनेटर डा. सतीश खोला को प्रधान विजय सिंह इंदौरा की अध्यक्षता में ज्ञापन सौंपते हुए इस वर्ग में हो रही अनियमित्ताओं पर गहरी आपत्ति जताई। डीएससी समाज के लोगों ने कहा कि कुछ अन्य जातियों के लोग ओएससी वर्ग में आते हैं वे डीएससी वर्ग का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। डीएससी समाज के प्रतिनिधियों ने ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर ताराचंद कोली, सुभाष सोलंकी, धर्मपाल, राजकुमार चावरिया, सज्जन बागड़ी, देशराज डाबला, रूपेश खरेरा, दिनेश कुमार, दिलीप सिंह, प्रीतम सिंह, तिलकराज, सुरेंद्र कुमार, विनोद कुमार आदि रहे।

बावल के शहरी क्षेत्र के दुकानदारों को जल्द मिलेगा दुकानों का मालिकाना हकः डा. कृष्णा

डा. कृष्ण कुमार।

बावल । बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार की बावल नगर पालिका क्षेत्र के दुकानदारों को उनकी दुकानों का मालिकाना हक दिलाने की मुहिम रंग लाती नजर आ रही है। विधायक बावल क्षेत्र के दुकानदारों के साथ-साथ रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ नारनौल के दुकानदारों को उनकी दुकानों का मालिकाना हक दिलवाने के लिए काफी समय से प्रयासरत्त हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से स्वामित्व योजना के तहत दुकानदारों को जल्द ही दुकानों का मालिकाना हक दिया जाएगा। इसके लिए निदेशालय शहरी स्थानीय निकाय की ओर से आगामी कार्यवाही की जा रही है। विधायक डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि बावल क्षेत्र के दुकानदारों ने मई 2025 में उनकी दुकानों का मालिकाना हक दिलाने से संबंधित मांग उठाई थी और यह मुद्दा जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में भी शहरी स्थानीय निकाय मंत्री के समक्ष उठाया गया था, जिस पर मंत्री ने डीएमसी और बावल विधायक की कमेटी गठित करते हुए त्रुटियां दूर करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि कमेटी की ओर से त्रुटियां दूर कर फाइनल रिपोर्ट जमा करा दी गई है तथा दुकानदारों को शीघ्र ही उनकी दुकानों का मालिकाना हक मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से चलाई जा रही मुख्यमंत्री शहरी निकाय स्वामित्व योजना के तहत वर्षों से दुकानों और घरों में किराए पर रह रहे लोगों को उनका मालिकाना हक दिला रही है। इसके तहत, शहरी क्षेत्रों में दुकानों और घरों पर कम से कम 20 वर्षों से कब्जा कर रहे सभी लोगों को मालिकाना हक दिया जा रहा है।

ग्रामीणों को योजनाएं बताईं

कोसली । भारतीय स्टेट बैंक कोसली शाखा की ओर से गांव बैहरमपुर की चौपाल में ग्रामीणों के लिए जागरूकता शिविर आयोजन किया गया। शाखा के सहायक प्रबंधक मोनू कुमार ने ग्रामीणों को बैंक की बचत योजनाओं व भारत सरकार की ओर से चलाई गई योजनाओं में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व जीवन ज्योति योजना की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि स्टेट बैंक के योनो एप से ग्राहक घर बैठे लेनदेन कर सकते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन लेनदेन करते समय सजग रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि ठगी करने वाले लोग मोबाइल पर ओटीपी भेज कर आपके बैंक खाते को खाली कर सकते हैं। इससे बचने के लिए किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना ओटीपी नंबर नहीं बताएं। बैंक कभी भी किसी व्यक्ति से फोन पर कोई लेनदेन या ओटीपी की मांग नहीं करता। इस मौके पर रेवाड़ी के एलडीएम ऑफिस से पूजा देवी, बैंक सहायक राहुल यादव, कुलदीप सिंह, सत्य प्रकाश व गांव के सरपंच प्रतिनिधि मोहित कुमार सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी संपन्न

कोसली। कोसली लघु सचिवालय परिसर में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का वीरवार को समापन हो गया। इस अवसर पर आपातकाल के सेनानी तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता वीर कुमार यादव मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि संविधान की वास्तव में हत्या 25 जून 1975 की रात को हुई थी, जब पूरे देश में आपातकाल केवल इसलिए लगा दिया गया था कि सत्ता पर आंच आ रही थी। आपातकाल के समय बेकसूर लोगों को जेल भेज दिया गया। जुल्म ढाए गए और नागरिकों के मौलिक अधिकार तक छीन लिए गए। कई समाचार-पत्रों का प्रकाशन बंद हो गया था। किसी व्यक्ति या प्रचार माध्यम को सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ बोलने का हक नहीं था। लोकतंत्र के इतिहास का यह एक काला अध्याय था, जिसे अब 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर उस पीढ़ी के सामने लाया जा रहा है,जो आपातकाल की वास्तविकता से अनभिज्ञ है। वीर कुमार ने बताया कि उन्हें भी हिसार जेल में बंद कर दिया गया था।

बेटा और बेटी एक समान

कोसली । कृष्ण नगर गांव में वीरवार को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जनचेतना रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान ग्रामीणों को गर्भ में पल रहे शिशु के लिंग की जांच नहीं कराने के लिए जागरूक किया गया। सुपरवाइजर पिंकी शर्मा ने कहा कि बेटा और बेटी दोनों एक समान है। इनमें कोई अंतर नहीं है। बेटी आज बेटों से बढ़कर अपने माता-पिता का ध्यान रखती है और हर क्षेत्र में अपना करियर बना रही हैं। जनचेतना रैली के दौरान ग्रामीण महिलाओं ने शपथ ली कि वे कन्या भ्रूण हत्या नहीं होने देंगी और गर्भस्थ शिशु की लिंग जांच नहीं कराने के लिए लोगों को जागरूक करेंगी। इस अवसर पर आंगनबाड़ी वर्कर ओमपति, सविता, गीता, योगेश व विशाल मौजूद थे। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव भूरथला में भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत महिलाओं को लिंग जांच न कराने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर सुपरवाइजर संतोष

समाधान शिविर में जनशिकायतों का मौके पर ही समाधान किया

आरटीई के तहत दाखिला न देने वाले प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ करें कार्रवाई : डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने लघु सचिवालय में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में सुनी जन शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। समाधान शिविर में शिकायतें सुनते डीसी।

सोमवार व वीरवार को लगाए जा रहे समाधान शिविर में नागरिकों को एक ही स्थान पर अपनी शिकायतों व समस्याओं का समाधान कराने का अवसर मिल रहा है। वीरवार को डीसी अभिषेक मीणा ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जन शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया। डीसी मीणा ने कहा कि जनता की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी समाधान कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों को नजरअंदाज करना किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारी आमजन की शिकायतों के निवारण की दिशा में तत्परता से कार्रवाई कर उन्हें राहत पहुंचाने का काम करें। समाधान शिविर में नागरिकों द्वारा मुख्य रूप से पीपीपी आईडी में इनकम में त्रुटि तथा मेंबर जोड़ने से संबंधित, राशन कार्ड, अवैध अतिक्रमण, पुलिस विभाग, बिजली विभाग से संबंधित समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष बची शिकायतों के समाधान के लिए विभागों के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

वृद्धा की मौके पर बनवाई पेंशन

डीसी अभिषेक मीणा ने समाधान शिविर में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत विद्यार्थियों को प्राइवेट स्कूल की ओर से एडमिशन न देने से संबंधित शिकायत पर कड़ा संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि यदि विद्यार्थी शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सभी नियम और शर्तें पूरी करते हैं तो उन्हें विद्यालयों में दाखिला दिलवाएं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को आरटीई अधिनियम के तहत विद्यार्थियों को नॉर्मस पूरे करने उपरांत भी एडमिशन न देने वाले प्राइवेट स्कूल संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कुतुबपुर निवासी वृद्धा वर्षा रानी की मौके पर ही वृद्धावस्था पेंशन बनवाकर राहत पहुंचाई। डीसी ने कहा कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर हैं और जनहित में यह पहल निरंतर जारी रहेगी। समाधान शिविर में एसपी हेमेंद्र मीणा, एडीसी राहुल मोदी व सीटीएम प्रीति रावत सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

हवन से मन और वातावरण हो जाता शुद्धः सोमाणी

रेवाड़ी। वीरवार को सावन माह के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर हवन, पौधारोपण और भंडारे का आयोजन किया गया। एडवोकेट विशाल सोमाणी और एडवोकेट परिवर्तन सोमाणी की ओर से आयोजिम कार्यक्रम में पंडित अनुज गौतम बीकेपुर ने हवन सम्पन्न कराया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हवन के माध्यम से मन और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। वेदों में कहा गया है कि सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना के लिए हवन करना सनातन धर्म का प्रमुख कर्म माना जाता है। इस मौके पर महंत त्र्यंबक गिरी ने कहा कि जीवन में सत्य की राह पर चलना भी एक साधना है। इस मौके पर 151 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में बिजेंद्र सरपंच प्रतिनिधि पदैयावास, पूर्व जिला पार्षद धर्मेंद्र खटाना, अधिवक्ता ध्रुव शुक्ला, वन विभाग से जितेन्द्र यादव, दिनेश यादव, अनिल थानेदार गिंदोखर, कांग्रेस नेता लवली यादव, स्वामी सुखानंद आदि रहे।

ग्राम पंचायत, नांगल पठानी खंड जाटूसाना जिला रेवाड़ी (हरि.)- 123302

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नांगल पठानी खंड जाटूसाना जिला रेवाड़ी में पचांयत स्तर पर डोर-टू-डोर कचरे का संग्रह, पृथक्करण, परिवहन और निपटान नियमानुसार करवाया जाना है। उक्त कार्य को करने की इच्छुक फर्म अपनी कुटेशन सरपंच ग्राम पचांयत नांगल पठानी के पास दिनांक 25-07-2025 तक जमा करवाए। प्राप्त कुटेशन का अवलोकन ग्राम स्तरीय कमेटी एवं पचांयत की मौजूदगी में दिनांक 29-07-2025 को किया जाएगा।
नोट - दिनांक 25-07-2025 के बाद कोई कूटेशन मान्य नहीं होगी।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत, नांगल पठानी (रेवाड़ी)
मो. 9416776216

बांध टूटने से खड़ा हो सकता है जलभराव का संकट, आसपास के ग्रामीणों से भी मांगी लोगों ने मदद

बरसाती पानी रोकने के लिए बना है बांध, कोर्ट के आदेश पर आज टूटना है, बचाने के लिए लोगों ने लगाई फरियाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। गांव में दशकों पूर्व बनाया गया बांध,बांध के दूसरी ओर एकत्रित पानी तथा डीसी से मिलने पहुंचे ग्रामीण।

टहना दीपालपुर में गांव को बरसाती पानी से बचाने के लिए दशकों पूर्व बनाए गए बांध को तुड़वाने के आदेश कोर्ट की ओर से जारी हो चुके हैं। प्रशासन की ओर से 18 जुलाई को पुलिसबल की मौजूदगी में बांध तोड़कर जमीन का कब्जा मालिक को दिलाना प्रस्तावित है। ग्रामीणों को बांध टूटने के बाद गांव में जलभराव का संकट पैदा होने की आशंका है, इसलिए ग्रामीण बांध को बचाने के लिए लामबद्ध हो गए हैं। डीसी को ज्ञापन देकर ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी जान देने के लिए तैयार हैं, परंतु गांव की लाइफ लाइन बन चुके बांध को किसी भी कीमत पर टूटने नहीं देंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्रवाई को रोकने के लिए आसपास के गांवों के लोगों से भी सहयोग मांग है।

गांव की सरपंच सरोज देवी व पूर्व सरपंच अभिलाष कादयान के नेतृत्व में वीरवार को बड़ी संख्या में टहना दीपालपुर के ग्रामीण डीसी से मिलने के लिए पहुंचे। डीसी को ज्ञापन देकर ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में दशकों पहले दूसरे गांवों से आने वाले बरसाती पानी को रोकने के लिए बांध बनाया गया था। यह बांध प्राइवेट जमीन पर बना हुआ है। पहली यह जमीन किसी और के नाम थी। जमीन को अन्य व्यक्ति ने खरीदने के बाद कब्जा हासिल करने के लिए कोर्ट में केस दायर किया था।

कोर्ट की ओर से जमीन मालिक के पक्ष में फैसला देने के बाद उसे कब्जा दिलाने के आदेश प्रशासन को जारी किए जा चुके हैं। जैसे ही ग्रामीणों को कोर्ट के आदेशों के बारे में पता चला, पूरे गांव की इससे नींद उड़ चुकी है। प्रशासन की ओर से बांध हटाकर जमीन खाली कराने के लिए 18 जुलाई का समय निर्धारित किया हुआ है।

ग्रामीणों ने डीसी को बताया कि यह बांध पूरे गांव को जलभराव से बचाता है। अगर बांध तोड़ा जाता है, तो इससे पूरे गांव पर डूबने का खतरा पैदा हो जाएगा। बरसात के मौसम में गांव में जलभराव की स्थिति विकराल हो जाएगी, इसलिए इस बांध को टूटने से बचाना जरूरी है। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात का सीजन शुरू होने के बाद बांध के दूसरी ओर भारी मात्रा में पानी भरा हुआ है। बांध टूटते ही यह पानी गांव में लोगों के घरों तक प्रवेश कर जाएगा, जिस कारण इस बांध को टूटने से बचाना जरूरी है।

इस मौके पर कृष्ण नंबरदार, गौरीशंकर शर्मा, अंकित शर्मा, मिलन शर्मा, संदीप, मांगेराम, विजय कुमार, सुरेश कुमार मिंटू प्रधान व मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मुआवजा देकर बचाए प्रशासन

ग्रामीणों ने डीसी को बताया कि यह बांध गांव की जीवनरेखा साबित हो रहा है। कोर्ट से आदेश लेने वाला भूमालिक भी अपनी जगह ठीक है। ऐसे में प्रशासन बांध की जमीन का अधिग्रहण करते हुए भूमालिक को इसका मुआवजा दे सकता है। अगर बांध को तोड़ा गया तो इससे पूरे गांव के लिए आफत पैदा हो सकती है। ग्रामीण कोर्ट के निर्णय का विरोध नहीं कर रहे, परंतु बांध टूटने के कारण खड़ी होने वाली समस्या से परेशान हो रहे हैं।

कार्रवाई रोकने के लिए उठाएंगे कदम

ग्रामीणों ने डीसी मिलने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर प्रशासन की टीम बांध को हटवाकर जमीन खाली कराने के लिए पहुंचती है, तो वह इसका पूरा विरोध करेंगे। इसके लिए वह अपनी जान तक देने के लिए तैयार हैं, परंतु बांध को किसी भी सूरत में टूटने नहीं देंगे। पूर्व सरपंच अभिलाष ने कहा कि कोर्ट के आदेश पर होने वाली कार्रवाई को रुकवाने के लिए आसपास के गांवों के लोगों से भी सहयोग मांगा गया है।

तहसीलदार को सौंपा जांच का जिम्मा

पूर्व सरपंच अभिषार के अनुसार डीसी अभिषेक मीणा ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना। समस्या जायज होने के कारण डीसी ने तहसीलदार को मौके पर जाकर जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। तोड़फोड़ की कार्रवाई के लिए तहसीलदार की ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। बांध को टूटने से बचाने के लिए सरपंच और पूर्व सरपंच ने आसपास के गांवों के लोगों से सहयोग की अपील करते हुए शुक्रवार को अपने गांव में आमंत्रित किया है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में शपथ लेते हुए आंगनबाड़ी वर्कर व महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

समाज बेटियों को समान दर्जा दे और भ्रूणहत्या जैसी कुरीतियों के खिलाफ हो एकजुट: वंदना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव खिजूरी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर व छात्राएं शामिल थी।

इस अवसर पर विभाग की सुपरवाइजर वंदना शर्मा ने बताया कि अभियान की शुरूआत वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पे हरियाणा के पानीपत से की थी, जिसका उद्देश्य गिरते लिंगानुपात में सुधार करना, बेटियों को शिक्षा और अधिकारों के प्रति सजग बनाना तथा समाज में बेटियों के प्रति सोच को सकारात्मक दिशा देना है। उन्होंने कहा कि खिजूरी गांव का कम लिंगानुपात चिंता का विषय है। ऐसे में जरूरी है कि समाज बेटियों को समान दर्जा दे और भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा हो। उन्होंने ग्रामीणों को बेटियों की शिक्षा और सम्मान को लेकर शपथ भी दिलाई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राजेश रानी और राजबाला ने भी अपने विचार साझा किए और ग्रामीण महिलाओं को सरकारी योजनाओं व सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्लोगनों के के माध्यम से महिलाओं को संदेश दिया गया कि बेटियां समाज की रीढ़ हैं और उनका सम्मान ही राष्ट्र का सम्मान है।

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पीएनबी पेंशनर्स एवं रिटायरिज एसो. की बैठक में अनेक अहम मुद्दों पर चर्चा

रेवाड़ी। अखिल भारतीय पंजाब नेशनल बैंक पेंशनर्स एवं रिटायरीज एसोसिएशन जिला यूनिट कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन वीरवार को अंबेडकर भवन आजाद नगर में जीत सिंह टाइगर की अध्यक्षता में किया गया। बैठक की शुरूआत जिला सचिव एनएस तंवर ने स्वागत संबोधन से की। बैठक की कार्यवाही से पहले हाल ही में जिला यूनिट के सदस्य मुंशीलाल के अचानक निधन होने पर उनकी आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। एसोसिएशन के सदस्यों ने पेंशन अपडेशन तथा ग्रेच्यूटी से संबिधत विषयों पर चर्चा की। रिटायरिज स्टाफ के लिए मेडकल बीमा पॉलिसी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की गई। आईबीए की पॉलिसी सहित अन्य कंपनियों की पॉलिसियों पर भी सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर आगामी बैठक में 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा रिटायरिज एसोसिएशन में संख्या बढ़ाने फैमिली पेंशनर्स को भी जोड़ने के लिए निर्णय लिया गया। इसके बाद एसोसिएशन के अध्यक्ष जीत सिंह टाइगर ने बैठक में पधारने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

- सदस्य मुंशीलाल के निधन होने पर आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया

राज्य-चिह्न दुरुपयोग मामला

डीसी बोले, दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने आम नागरिकों से भारत के राज्य-चिह्न, जो भारत सरकार की आधिकारिक मुहर है, उसका दुरुपयोग न करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि गृह विभाग हरियाणा की ओर से विशेष रूप से निजी वाहनों, लेटरहेड और साइन बोर्ड पर इस चिह्न के अनधिकृत प्रदर्शन के विरुद्ध चेतावनी दी गई है और इस बात पर जोर दिया है कि ऐसा कृत्य कानून का गंभीर उल्लंघन है और इसके लिए कड़ी सजा दी जाएगी। डीसी ने बताया कि गृह विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार भारत का राज्य चिन्ह सारनाथ स्थित अशोक के सिंह-स्तंभ का एक रूपांतर है। इस प्रतीक चिह्न का उपयोग भारत के राज्य प्रतीक चिन्ह (अनुचित प्रयोग निषेध) अधिनियम, 2005 और (प्रयोग विनियमन) नियम, 2007 द्वारा नियंत्रित होता है, जिसमें 2010 में संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि ये कानून भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से अधिकृत न किए गए व्यक्तियों या संगठनों द्वारा इसके उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लगाते हैं। यह प्रतीक चिह्न व्यक्तिगत पहचान, सामाजिक स्थिति या प्रभाव का प्रतीक नहीं है। यह केवल संवैधानिक प्राधिकारियों और सरकारी विभागों के लिए आरक्षित है, जहां कानून द्वारा अनुमति प्राप्त है। उन्होंने कहा कि 2005 के अधिनियम और 2007 के नियमों के तहत अनधिकृत उपयोग दंडनीय है, जिसमें भारी जुर्माने और कानूनी कार्यवाही के प्रावधान शामिल हैं।

डीसी मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने प्रतीक चिन्ह, राष्ट्रीय प्रतीकों, मुहरों और झंडों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक व्यापक रणनीति शुरू की गई है। इसमें स्कूलों, कॉलेजों और लॉ कॉलेजों में जन जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को प्रतीक चिह्न के कानूनी और संवैधानिक महत्व के बारे में शिक्षित करना शामिल है। यातायात पुलिस को वाहनों पर प्रतीक चिह्न के दुरुपयोग की पहचान करने और तत्काल दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीसी ने विभागों को निर्देश दिए कि वे आम जनता को प्रतीक चिह्न के उपयोग से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक करें और जानकारी दें।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों पर एक्शन, दो मामलों में पांच आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर माहौल खराब करने व अवैध रूप से अहाता चलाने के दो अलग-अलग मामलों में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ईश्वर यादव निवासी मोहल्ला माली टिब्बा नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ हाल किरायेदार विपुल गार्डन धारूहेड़ा, बिजेंदर सिंह निवासी भगत सिंह कॉलोनी भिवाड़ी राजस्थान, अखिल निवासी गांव कुलाना जिला झज्जर, हरेन्द्र निवासी गांव कोका जिला झज्जर व हितेष निवासी गांव कोका जिला झज्जर के रूप में हुई हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-6 धारूहेड़ा व रोहडाई थाने में एक्साइज एक्ट के तहत मामले दर्ज किए हैं।

दुकान पर पिलाई जा रही थी शराब

सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस ने विकास नगर गांव महेश्वरी शराब के ठेके के पास दुकान पर शराब पीते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दुकान में ईश्वर यादव निवासी मोहल्ला माली टिब्बा नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ हाल किरायेदार विपुल गार्डन धारूहेड़ा व दुकान मालिक बिजेंदर सिंह निवासी भगत सिंह कॉलोनी भिवाड़ी राजस्थान लोगों को बैठाकर शराब पिला रहे थे। दुकान के अंदर कुर्सियों पर कई लोग बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिस ने ईश्वर यादव व दुकान मालिक बिजेंदर सिंह से शराब पिलाने का लाइसेंस दिखाने को कहा, तो उन्होंने लाइसेंस होने से मना कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके पर ही काबू कर लिया।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते तीन काबू : रोहड़ाई थाना पुलिस ने गांव गुरावड़ा त्रिवेणी होटल के पास सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर माहौल खराब करने वाले आरोपी अखिल निवासी गांव कुलाना जिला झज्जर, हरेन्द्र निवासी गांव कोका जिला झज्जर व हितेष निवासी गांव कोका जिला झज्जर को काबू किया है।

आपातकाल की परिस्थितियों से रूबरू कराने के लिए लगी प्रदर्शनी समाप्त

खास बातें

- प्रदर्शनी में संविधान की मर्यादा पर हुए हमले और लोकतंत्र के सत्याग्रहियों के संघर्ष की कहानी को दर्शाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आमजन। फोटो : हरिभूमि

सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा की ओर से संविधान हत्या दिवस के तहत आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर लघु सचिवालय परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी आमजन को आपातकाल की परिस्थितियों के बारे में जागरूक कर गई।

प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की स्लाइड्स के माध्यम से संविधान की मर्यादा पर हुए हमले और लोकतंत्र के सत्याग्रहियों के संघर्ष की कहानी को दर्शाया गया। प्रदर्शनी में 25 जून 1975 को संपूर्ण देश पर थोपे गए आपातकाल को भारतीय इतिहास के सबसे काले और अलोकतांत्रिक अध्याय के रूप में दर्शाया गया। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य जनता को स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गहरे आघात पहुंचाने वाले उस दौर के बारे में जागरूक करना था। तीसरे और अंतिम दिन आम जनता ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और संविधान और कानूनी अधिकारों की समझ को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार के विभिन्न कदम, चुनावी प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही, लोकतंत्र का सशक्तिकरण, लोकतंत्र का उत्सव सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश भारत लोकतंत्र की जननी की जानकारी ली।

ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए खुलेंगे ट्रेनिंग सेंटर, शिक्षा वॉलंटियर्स के आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- 12 स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर खोलने के लिए प्रस्तावित किए थे

जिले में सर्वे के दौरान 363 ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान हुई है। एडीसी राहुल मोदी पिछले सप्ताह आयोजित बैठक में ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए 12 स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर खोलने के लिए प्रस्तावित किए थे। इन बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 12 विशेष ट्रेनिंग सेंटरों पर शिक्षा वॉलेंटियर पढ़ाएंगें। जिला परियोजना संयोजक राजेन्द्र शर्मा ने जिला परियोजना संयोजक कार्यालय समग्र शिक्षा की ओर से ऑउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए 12 विशेष ट्रेनिंग सेंटरों पर शिक्षा वॉलेंटियर लगाने के लिए योग्य आवेदकों के आवेदन आमंत्रित किए हैं। डीपीसी ने बताया कि योग्य आवेदक प्रार्थना पत्र के साथ अपने सभी संबंधित दस्तावेजों को सत्यापित करके कार्यालय में 21 जुलाई तक शाम 5 बजे तक जमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा वॉलेटियर लगने के लिए विभाग की ओर से निर्धारित योग्यता 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास, 50 प्रतिशत अंकों के साथ डीएड व बीएड तथा साथ में एचटेट, सीटेट, उच्च योग्यता व अनुभव वाले आवेदकों को वरीयता दी जाएगी।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिग बच्चे को परिजनों के हवाले किया

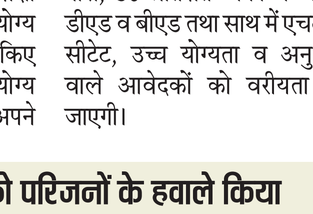

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने बाइपास रोड स्थित हिम फिलिंग स्टेशन के पास लावारिस हालत में घूम रहे 9 साल के एक नाबालिग बच्चे के परिजनों की तलाश करके सकुशल हवाले किया। बच्चे के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया। गत 16-17 जुलाई की रात को पुलिस को बाइपास रोड स्थित फिलिंग स्टेशन के पास एक 9 साल के बच्चे के लावारिस हालत में घूमने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस की ईआरवी 575 पर तैनात पुलिस टीम ने बच्चे को बरामद कर उसके परिवार के बारे में पूछा तो तो वह कुछ नहीं बता पाया। इसके बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में उसके परिजनों की तलाश शुरू की, जिसके बाद पुलिस को पता चला कि बच्चा मूलरूप से बिहार हाल मोहल्ला हंस नगर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया तो बच्चे पिता जितेश गिरी ने बताया कि रात्रि के समय उसका बेटा घर से बिना बताए कहीं चला गया था। उसकी गुमशुदगी के बारे में पुलिस थाने से संपर्क भी किया था। इसके बाद पुलिस ने बच्चें को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

डेंगू से बचाव के लिए फोगिंग कराने की उठी मांग

रेवाड़ी। बरसात के बाद जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। प्रशासन की ओर से न तो पानी की निकासी की जा रही है और न ही अभी तक फोगिंग शुरू की गई है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से डेंगू के मामले भी बढ़ने लगे है। गांव खरखड़ा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फोगिंग कराने और जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। प्रकाश ने कहा कि वर्तमान में मानसून सीजन के कारण जगह-जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। जलभराव के कारण डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया बीमारियां बढ़ने का खतरा हो गया हैं। उन्होंने जिले के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में फोगिंग कराने की मांग की है।

प्रदर्शन सरपंच प्रतिनिधि ने कहा, जब तक मांग पूरी नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा

एक महीने से चल रहा ग्रामीणों का धरना, जोर पकड़ रही सरकारी अस्पताल बनाने की मांग

- गांव ने जल घर के लिए 10 एकड़ जमीन दी थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अस्पताल की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रामगढ़-भगवानपुर में सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का धरना प्रदर्शन वीरवार को 31वें दिन में प्रवेश कर गया। वीरवार को धरने पर रामगढ़ भगवानपुर के अलावा बुड़ाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, तुर्कियावास,बालियर खुर्द, मालाखेड़ा, ढाकिया, रोजका, जीतपुरा, बालियर कंला, फदनी, मीरपुर, गोकलपुर, कुम्भावास, जाट, जाटी खलीलपुर, ढोहकी, डाबड़ी, काकोड़िया, मुंढलिया, नयागांव, घुडकावास, लिसाना, जाट गंगायचा व जाट भूरथल गांवों के ग्रामीण मौजूद थे। धरने की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा जब अस्पताल की मांग पूरी नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। गांव ने जल घर के लिए 10 एकड़ जमीन दी थी कि गांव में सरकारी अस्पताल बनाया जाएगा, लेकिन अब अस्पताल बनाने को लेकर आनाकानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग धरने के बारे में अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं, जोकि मानवीय मर्यादा के खिलाफ है, संघर्ष कमेटी इसकी कड़ी भर्त्सना करती है।

धरने पर ये रहे मौजूद

धरने पर कॉमरेड राजेंद्र सिंह, कॉमरेड रमेश, कुलदीप यादव, शमशेर सिंह मीरपुर, लालसिंह, रामकुमार, मोहर सिंह, खजान सिंह पूर्व सरपंच, महीपाल सिंह, शीशपाल, नरेश, प्रेम प्रकाश, नवल सिंह, गजराज सिंह यादव, सतीश सरपंच,नरेश फोरमैन,अनिल सरपंच गोकुलपुर, इंद्रजीत, सत्यवीर एक्स सरपंच,अभय सिंह फिदेडी, इंद्रजीत नंबरदार, हरिओम मिस्त्री, राजकुमार, राजबीर, वीरेंद्र सिंह फोजी, शोभाराम, गणेश,रोशनलाल, रामनारायण, कृष्णा देवी भगवानपुर सरपंच, शारली देवी, रामकला, रेखा, गीता देवी,कविता देवी, सुशीला व राजेश्वरी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।